भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

ल खत प्रश्न सं. 1379

सोमवार, 25 जुलाई, 2022/03 श्रावण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कालीबंगा का पर्यटन स्थलों के रूप में वकास

1379. श्री निहाल चन्द चौहानः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या मोहनजोदड़ो की कालीबंगा सभ्यता को राजस्थान में पर्यटन स्थल घो षत कया गया है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार द्वारा पर्यटकों को आक र्षत करने के लए कालीबंगा और लैला-मजनू मजार को पर्यटन स्थल के रूप में वक सत करने के लए कोई कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ग) क्या सरकार का भ वष्य में भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में और अ धक पर्यटन स्थलों को वक सत करने का वचार है ता क पर्यटन के साथ-साथ इन क्षेत्रों के लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय अपने चल रहे कार्यकलापों के एक भाग के रूप में कालीबंगा, राजस्थान सहित देश के व भन्न पर्यटक स्थलों का संवर्धन करता है। ये संवर्धन कार्य पर्यटन मंत्रालय की संवर्धनात्मक वेबसाइट www.incredibleindia.org सहित अनेक प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से कए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त मंत्रालय राजस्थान सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के वकास के लए 'स्वदेश दर्शन' तथा 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक वरासत संवर्धन अ भयान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मशन' नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजें सयों को वत्तीय सहायता प्रदान करता है। उपरोक्त योजनाओं के तहत वकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और

नि धयों की उपलब्धता, उपयुक्त वस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई नि धयों की उपयो गता आदि की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2017-18 में स्वदेश दर्शन योजना की वरासत परिपथ थीम के अंतर्गत 'राजस्थान में राजसमंद (कुंभलगढ़ कला) - जयपुर (नाहरगढ़ कला और जयपुर के कलों की प्रमुख सड़कों पर फेकेड प्रकाश व्यवस्था) - अलवर (बाला कला) - सवाई माधोपुर (रणथंभोर कला और खंडार कला) - झालावाड़ (गगरौन कला) - चत्तौड़गढ़ (चत्तौड़गढ़ कला) जैसलमेर (जैसलमेर कला) - हनुमानगढ़ (कालीबंगा, भटनेर कला और गोगामेडी) - जालौर (जालौर कला) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर तथा पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई मंदिर) के वकास ' की एक परियोजना को स्वीकृति दी थी जिसमें कालीबंगा में वकास कार्य शा मल था। हालां क बाद में कालीबंगा में हस्तक्षेपों को रद्द कर दिया गया।

पर्यटन मंत्रालय ने अब पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए देश में स्थायी एवं जिम्मेदार गंतव्यों के वकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है।

****